दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 16 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 225

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना में गेम चेंजर साबित हो सकती 2 डीजी दवा

❍ अगले हफ्ते डीआरडीओ की 10 हजार खुराक होंगी लॉन्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के साथ लड़ी जा रही लड़ाई में भारत अब और मजबूत हो गया है। भारत ने कोरोना के खिलाफ एक और दवा तैयार कर ली जिससे यकीनन लोगों को राहत मिलेगी। जल्द ही यह दवा होम लोगों के बीच होगी और मरीजो को दी जाने लगेगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए 2डीजी दवा की 10,000 खुराक का पहला बैच अगले सप्ताह की शुरुआत में शुरू किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि कोविड-19 संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए 2डीजी दवा की 10,000 खुराक की पहली खेप अगले सप्ताह की शुरुआत में शुरू की जाएगी और मरीजों को दी जाएगी। डीआरडीओ के अधिकारियों ने बताया कि दवा निर्माता भविष्य में उपयोग के लिए दवा के उत्पादन में तेजी लाने पर काम कर रहे हैं। दवा को डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की एक टीम ने विकसित किया है, जिसमें डॉ अनंत नारायण भट्ट भी शामिल हैं। कल, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ के सुधाकर ने डीआरडीओ परिसर का दौरा किया। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने मंत्री को 2-डीजी दवा के बारे में जानकारी दी जो कोरोना लड़ाई में गेम-चेंजर हो सकती है।

अगले दो माह में दूर होगी वैक्सीन की कमी : गुलेरिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि वैक्सीन निर्माता कंपनियों से प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए बातचीत जारी है। उन्होने कहा कि करीब दो महीने में देश में टीके बड़ी मात्रा में उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपने विनिर्माण संयंत्र खोलना शुरू कर देंगी और वैक्सीन की खुराक उपलब्ध होगी। उन्होंने दूसरे देशों से भी वैक्सीन मंगाने की बात कही है। डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि अधिक से अधिक विनिर्माण संयंत्रों के द्वारा कोविशील्ड, कोवैक्सिन और स्पुतनिक की वैक्सीन का निर्माण भारत में ही किया जाएगा। स्पुतनिक ने निर्माण के लिए भारत में कई कंपनियों के साथ करार किया है। भारत बायोटेक और एसआईआई द्वारा नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। जुलाई-अगस्त तक हमारे पास बड़ी मात्रा में खुराक उपलब्ध होगी।

सिपाही ने पत्नी और बच्चों का गला रेत की आत्महत्या

गाजीपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के दिलदारनगर क्षेत्र में शनिवार भोर गृहक्लेश के चलते सिपाही ने पत्नी और सात बच्चों का गला रेत दिया और ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली। इस घटना में दंपत्ति की मौत हो गई वहीं तीन बच्चों की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में उसिया गांव निवासी मुंशी यादव (42) प्रयागराज में तैनात था। उसका स्थानांतरण बीते जनवरी में में फतेहपुर हुआ था। वह वहां पुलिस लाइन में आमद कराकर बीमारी का बहाना कर पांच जनवरी से ही मेडिकल लीव पर छुट्टी लेकर घर आ गया था। वह अपने परिवार के साथ रात में छत पर सोया था। शनिवार की भोर में किसी बात को लेकर पत्नी रीना देवी(38) से कहासुनी हो गई।

कोरोना और टीकाकरण को लेकर पीएम मोदी ने की समीक्षा

वेंटिलेटर का इस्तेमाल नहीं होने पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उच्च स्तरीय बैठक कर कोरोना की हालत की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हुए। इस बाठक में पीएम मोदी गांवों में घर-घर जाकर सर्वे और टेस्ट कराने के लिए कहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने वेंटिलटरों का इस्तेमाल नहीं होने पर भी नाराजगी भी जताई है।

पीएम ने देश में कोविड और टीकाकरण संबंधी स्थिति पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को देश में कोविड से संबंधित मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। पीएम को बताया गया कि देश में परीक्षण तेजी से बढ़ा है, मार्च की शुरुआत में प्रति सप्ताह लगभग 50 लाख परीक्षण से अब प्रति सप्ताह लगभग 1.3 करोड़ परीक्षण हो गए हैं। उन्होंने पीएम को धीरे-धीरे घटती टेस्ट पॉजिटिविटी रेट और बढ़ती रिकवरी रेट की भी जानकारी दी। यह चर्चा की गई कि स्वास्थ्य कर्मियों, राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप अब मामले कम हो रहे हैं। बैठक के दौरान अधिकारियों ने कोविड की राज्य और जिला स्तर की स्थिति, परीक्षण, ऑक्सीजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे, टीकाकरण रोडमैप पर विस्तृत प्रस्तुति दी। पीएम ने कहा कि विशेष रूप से उन राज्यों के लिए स्थानीय नियंत्रण रणनीति समय की जरूरत है जहां जिलों में टीपीआर अधिक है। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि आरटी पीसीआर और रैपिड टेस्ट दोनों के उपयोग के साथ, विशेष रूप से उच्च परीक्षण सकारात्मकता दर वाले क्षेत्रों में परीक्षण को और बढ़ाया जाना चाहिए। पीएम ने कहा कि राज्यों को अपने प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव दिखाने के दबाव के बिना पारदर्शी तरीके से अपनी संख्या की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

गांव में घर-घर जाकर हो टेस्टिंग

प्रधानमंत्री ने घर-घर जाकर जांच और निगरानी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संसाधनों को बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने सभी आवश्यक उपकरणों के साथ आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के बारे में भी बताया। पीएम ने ग्रामीण क्षेत्रों में होम आइसोलेशन और इलाज के लिए दृष्टांतों के साथ-साथ आसान भाषा में दिशानिर्देश उपलब्ध कराने को कहा। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक वितरण योजना तैयार की जाए, जिसमें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का प्रावधान शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे उपकरणों के संचालन में स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए और ऐसे चिकित्सा उपकरणों के सुचारू संचालन के लिए बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर का उपयोग सही से नहीं होने के कुछ रिपोर्टों को गंभीरता से लिया और निर्देश दिया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए गए वेंटिलेटर की स्थापना और संचालन का तत्काल ऑडिट किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो स्वास्थ्य कर्मियों को वेंटिलेटर के ठीक से संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। पीएम ने कहा कि कोविड के खिलाफ भारत की लड़ाई को वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया गया है और यह उनके द्वारा निर्देशित किया जाता रहेगा। अधिकारियों ने पीएम को टीकाकरण प्रक्रिया और 45+ आबादी के राज्यवार कवरेज के बारे में जानकारी दी। भविष्य में वैक्सीन की उपलब्धता के रोडमैप पर भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को टीकाकरण की गति तेज करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया।

राज्यों को 10953 ऑक्सीजन सांद्रक व 13169 ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक सहायता के तौर पर मिले कुल 10935 ऑक्सीजन सांद्रक, 13169 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादक संयंत्र और 4.9 लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशियों की 27 अप्रैल से 13 मई के बीच या तो विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को आपूर्ति हो चुकी है या उनके लिये रवाना की जा चुकी हैं।

मंत्रालय के मुताबिक 13-14 मई को अमेरिका, इटली, कनाडा, दक्षिण कोरिया, ओमान, ब्रिटन और जापान से अहम खेप मिलीं जिनमें 157 ऑक्सीजन सांद्रक, 900 ऑक्सीजन सिलेंडर और 338 वेंटिलेटर/बाइपेप/सीपेप शामिल थे। मंत्रालय के मुताबिक इन देशों से इस खेप में रेमडेसिविर की 68810 शीशीयों के साथ ही टोसिलिजुमैब की 1000 यूनिट भी प्राप्त हुई। मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर 10953 ऑक्सीजन सांद्रक, 13169 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादक संयंत्र, 6835 वेंटिलेटर और बाइपेप तथा 4.9 लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशियां 27 अप्रैल से 13 मई के बीच सड़क व वायु मार्ग से राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिये भेजी जा चुकी हैं। मंत्रालय ने कहा, प्राप्तकर्ता राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों व संस्थानों के लिये प्रभावी तत्काल आवंटन और सुव्यवस्थित वितरण एक सतत चलने वाली कवायद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय नियमित आधार पर इसकी व्यापक निगरानी कर रहा है।

किसानों को रियायती कीमत पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार उर्वरक उत्पादकों/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती कीमतों पर उर्वरक उपलब्ध करवा रही है। इनमें यूरिया, फॉस्फेटिक और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी), म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) सहित फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) के 22 ग्रेड उर्वरक हैं। एक अप्रैल, 2010 से पीएंडके उर्वरकों पर अनुदान एनबीएस नियंत्रित कर रही है।

अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुरूप सरकार सस्ती कीमतों

पर पीएंडके उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उर्वरक कंपनियों को पोषक तत्व आधारित अनुदान दरों के अनुसार अनुदान जारी की जाती है, जिससे वे किसानों को सस्ती कीमत पर उर्वरक उपलब्ध करवा सकें।

पिछले कुछ महीनों में डीएपी और अन्य पीएंडके उर्वरक के कच्चे माल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तैयार डीएपी आदि की कीमतें भी समान अनुपात में बढ़ी हैं। इस तेज वृद्धि के बावजूद पिछले महीने तक कंपनियों ने भारत में डीएपी की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की। हालांकि, कुछ कंपनियों ने अब डीएपी की कीमत बढ़ा दी है।

भारत सरकार को इस स्थिति की पूरी जानकारी है और इस पर सरकार में शीर्ष स्तर पर निगरानी की जा रही है। सरकार किसानों की चिंताओं को लेकर भी पूरी तरह संवेदनशील है और इस स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही कदम उठा रही है, जिससे किसान समुदाय को पीएंडके उर्वरकों (डीएपी भी शामिल) की कीमत में बढ़ोतरी के असर से बचाया जा सके।

पहले कदम के रूप में सरकार ने पहले ही सभी उर्वरक कंपनियों को किसानों के लिए बाजार में इन उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वहीं सरकार भी देश में उर्वरकों की उपलब्धता की प्रतिदिन निगरानी कर रही है। डीएपी की कीमत निर्धारण को लेकर सरकार पहले ही सभी उर्वरक कंपनियों को डीएपी आदि के पुराने स्टॉक को पुरानी कीमतों पर ही बेचने के लिए कह चुकी है।

देश में नहीं थम रहा कोराना संक्रमण का कहर

» 24 घंटे में आए 3.26 लाख से ज्यादा नए मामले, 3,890 लोगों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण का कोहराम मचा हुआ है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 3,26,098 नए मामले आए और 3,890 मौतें दर्ज की हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटों में 3,26,098 नए कोरोना संक्रमण के मामले आए और 3,890 मौतें हुई हैं। मंत्रालय के मुताबिक शीर्ष पांच राज्य जिन्होंने अधिकतम मामले दर्ज किए हैं, उनमें कर्नाटक में 41,779 मामले हैं, इसके बाद महाराष्ट्र में 39,923 मामले, केरल में 34,694 मामले, तमिलनाडु में 31,892 मामले और आंध्र प्रदेश में 22,018 मामले हैं। शीर्ष पांच राज्यों में 52.22 प्रतिशत से अधिक नए मामले दर्ज किए गए, जिसमें अकेले कर्नाटक 12.81 प्रतिशत नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। अब तक देश में कुल कुल मामले 2,43,72,907, कुल डिस्चार्ज 2,04,32,898, मौतों की संख्या 2,66,207, सक्रिय मामले 36,73,802 हो गये हैं। जबकि देश में कोरोना वैक्सीन के टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 18,04,57,579 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

■ **ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या गिरकर 36,73,802 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.07 प्रतिशत है। जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सुधरकर 83.83 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 2,04,32,898 हो गई है जबकि संक्रमण से मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई है। देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख को पार कर गई थी। वहीं कोविड-19 मरीजों की संख्या 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गई थी।

■ **इन 18 राज्यों में संक्रमण काबू-** महाराष्ट्र, कर्नाटक, यूपी, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना, जम्मू, गोआ, चंडीगढ़, लद्दाख में कोरोना संक्रमण की स्थिति काबू में है।

■ **दिल्ली में 24 घंटे में 6500 नये मामले-** दिल्ली में कोरोना वायरस के केस में कमी आ रही है। दिल्ली के अस्पतालों के भी हालात काफी हद तक सुधर रहे हैं ऐसे में कोरोना वायरस स्थिति को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल रोजाना मीडिया से रूबरू हो रहे हैं। ताजा बयान में दिल्ली के सीएम ने कहा दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 6500 मामले सामने आए हैं, पॉजिटिविटी रेट और भी कम होकर 11 फीसदी पर आ गया है।

भीषण चक्रवाती तूफान ने दिखाया असर

» केरल में भारी बारिश, गुजरात में ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लक्षद्वीप क्षेत्र में विकसित हुआ गहरा दबाव, अरब सागर के साथ उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से मध्य और उत्तरी केरल में शनिवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के चलने की पूरी संभावना है। इस वजह से केरल, महाराष्ट्र, गोवा, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक अलर्ट पर हैं। इसके मद्देनजर प्रशासन और सुरक्षा दल सतर्क हैं। एनडीआरएफ ने हालात की गंभीरता को देखते हुए 53 टीमों की तैनाती की है। मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटों में चक्रवाती तूफान के और विकराल होने की आशंका जताई है। जानकारों ने अनुमान लगाया था कि 15 मई यानी शनिवार को यह समुद्री तूफान बन जाएगा और उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा। कहा जा रहा है कि यह तूफान गुजरात की तरफ बढ़ेगा। शुक्रवार को केरल के कोट्टायम तट पर तेज बारिश दर्ज की गई है। मौसम की जानकारी देने वाली एजेंसी स्कायमेट वेदर ने अनुमान लगाया है कि अगले 48 घंटों में केरल, कर्नाटक और कोंकण में गंभीर मौसम स्थिति तैयार हो सकती है। तूफान के आगे बढ़ने का प्रभाव कर्नाटक, महाराष्ट्र, लक्षद्वीप, गोवा में भी नजर आएगा। यहां तेज हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने मुंबई और ठाणे में यलो अलर्ट जारी कर दिया है। जबकि, गुजरात और केरल के कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आंदोलन के छह महीने पूरे होने पर 26 मई को काला दिवस

» संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संघों के प्रधान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे प्रदर्शन के छह माह होने पर 26 मई को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

डिजिटल तरीके से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में लोगों से 26 मई को अपने घरों, वाहनों, दुकानों पर काला झंडा लगाने की अपील की

है। राजेवाल ने कहा कि 26 मई को इस प्रदर्शन के छह महीने हो जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार बनाने के सात साल पूरे होने के अवसर पर यह हो रहा है। हम इसे काला दिवस के तौर पर मनाएंगे। बता दें कि केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली चलो मार्च के तहत पानी की बौछारों और अवरोधकों का सामना करते हुए बड़ी संख्या में किसान 26 नवंबर को दिल्ली की सीमाओं पर आए थे। आगे के महीनों में राष्ट्रीय राजधानी के करीब टीकरी, सिंघू और गाजीपुर बॉर्डर पर देश भर से हजारों किसान आ जुटे।

राजेवाल ने लोगों से 26 मई को काला दिवस मनाते हुए किसानों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम देश के लोगों से अपने मकानों, दुकानों, ट्रकों और अन्य वाहनों पर काले झंडे लगाने की अपील करते हैं। हम विरोध के तौर पर प्रधानमंत्री का पुतला भी जलाएंगे। राजेवाल ने कहा कि सरकार तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को नहीं सुन रही है और उर्वरकों, डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से खेती करना संभव नहीं रह गया है।

ग्रामीण और संसाधन की कमी वाले क्षेत्रों में कोविड -19 के शीघ्र निदान के लिए स्टार्टअप ने सस्ती जांच किट की विकसित

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुंबई का एक स्टार्टअप अपनी किफायती रैपिड एंटीजन जाँच किट के साथ तैयार है। यह किट 100 रुपये प्रति नमूने की जांच की कीमत पर कोविड-19 का निदान और निगरानी प्रदान करती है।

पतंजलि फार्मा द्वारा विकसित परीक्षण स्वर्ण मानक आरटीपीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच का पूरक होगा और यह बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती परीक्षणों में से एक होगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की एक पहल सेंटर फॉर ऑगमेंटिंग वॉर विद कोविड-19 हेल्थ क्राइसिस (सीएडब्ल्यूएसीएच) ने जुलाई, 2020 में कोविड-19 रैपिड निदान (निगरानी के लिए रैपिड एंटीबॉडी और एंटीजन दोनों परीक्षण और कोविड-19 का शीघ्र निदान) विकसित करने के लिए स्टार्टअप का समर्थन किया था।

पतंजलि फार्मा के निदेशक, डॉ. विनय सैनी, ने एसआईएनई, आईआईटी बंबई के साथ स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया और 8-9 महीनों के भीतर अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं के साथ-साथ उत्पादों को विकसित किया। उन्होंने आवश्यक लाइसेंस के लिए आवेदन किया और विभिन्न कोविड केंद्रों में उत्पादों का मूल्यांकन और सत्यापन किया ताकि उनकी प्रभावकारिता को जानने और उसमें और सुधार किया जा सके।

डॉ. विनय सैनी ने उत्पाद के विकास की यात्रा के बारे में बोलते हुए कहा, कोविड-19 रोगियों और वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम (वीटीएम) के नमूनों में हमारे उत्पादों का आंतरिक सत्यापन करना एक अद्भुत अनुभव था, जिसमें कोविड रोगियों के नासोफेरींजल स्वैब शामिल थे। मैं अपनी टीम के सदस्यों के साथ मुंबई में विभिन्न कोविड केंद्रों पर विकसित उत्पादों के कई मूल्यांकन के लिए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उनके साथ मौजूद था। स्टार्टअप ने जून, 2021 की शुरुआत में तेजी से कोविड-19 एंटीजन परीक्षण शुरू करने की योजना बनाई है। रैपिड कोविड-19 परीक्षण (10 से 15 मिनट) ग्रामीण क्षेत्रों, डॉक्टर के क्लीनिक और ऐसे क्षेत्र जहां पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक लैब उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे संसाधन में कोविड -19 के शीघ्र निदान के लिए सहायक होंगे। यह परीक्षण किट सस्ती है और महामारी को नियंत्रित करने में मददगार होगी।